जोधपुर, 02 मई।

आमजन को राहत देने के उद्देश्य से आगामी 10 मई से आयोजित हो रहे मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर में होने वाले कार्यो के संबंध मे जानकारी देने के लिए जयपुर के बिडला सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पूरे प्रदेश के निकाय प्रमुख, निकाय प्रमुख अधिकारी ओर निकायों के तकनीकी विंग के अधिकरियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थी तो वही स्वायत्त शासन मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने कार्यशाला की अध्यक्षता की। इस कार्यशाला में प्रमुख शासन सचिव मंजीतसिंह और निदेशक पवन अरोडा ने अधिकारियों को इन शिविरों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में बताया कि किन नियमों की अनुपालना में और किन किन दस्तावेजों के साथ भुमि नियमन और भू उपयोग परिवर्तन किया जाएगा साथ ही सरकारी भुमि पर वर्षो से कब्जा कर बैठै लोगों के नियमन करने के संबंध मे भी बताया गया। मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को राहत देना चाहती है और नियमों की सीमा में रहते हुए आमजन को इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ मिले इसका प्रयास करना है। उन्होने कहा कि शिविर महज औपचारिक बनकर नही रहे बल्कि इन शिविरों के काम हो यह हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यशाल को मंत्री श्रीचंद कृपलानी ने भी संबोंधित किया।

सफाई के लिए जोधपुर की सराहना

तीन दिवसीय दौरे पर जोधपुर आई मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया नें जयपुर में सभी अधिकारियो और निकाय अध्यक्षों के समक्ष जोधपुर की सफाई व्यवस्था की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था काफी अच्छी नजर आई और इसके लिए निगम ने जो प्रयास किए है वह वास्तव मे सराहनीय है और उन्होने इसके लिए महापौर घनश्याम ओझा को बधाई दी। मुख्यमंत्री नें भीतरी शहर के हैरिटेज की भी प्रंशसा की। उन्होने कहा कि रोड शो के दौरान उन्होन देखा कि शहर के कई ईमारते स्थापत्य कला का बेजोड नमूना है उन्होने कहा कि निगम का प्रयास करना चाहिए कि शहर के हैरिटेज लुक को नही छेडा जाए ताकि पर्यटन को बढावा मिले साथ ही जोधपुर शहर की प्रमुख सडकों पर लोग कचरा या अन्य साम्रगी नही डाले इसकी भी नियमित मॉनिटरिंग करनी चाहिए।